



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1229]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, अगस्त 28, 2008/भाद्र 6, 1930

No. 1229]

NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 28, 2008/BHADRA 6, 1930

वित्त मंत्रालय

MINISTRY OF FINANCE

(राजस्व विभाग)

(Department of Revenue)

अधिसूचना

NOTIFICATION

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 2008

New Delhi, the 28th August, 2008

(आयकर)

(INCOME-TAX)

का.आ. 2123(अ).—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 90 की उप-धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, अधिसूचित करती है कि जहाँ केन्द्रीय सरकार, भारत से बाहर किसी विदेशी सरकार के साथ करों में राहत प्रदान करने के लिए अथवा जैसा भी मामला हो, दोहरे कराधान को परिहार हेतु कोई करार करती है तो उस में यह व्यवस्था की जाती है कि भारत के किसी निवासी की किसी आय पर दूसरे देश में "कर लगाया जा सकता है" ऐसी आय को उस की कुल आय में शामिल किया जाएगा जिस पर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के उपबंधों के अनुसार भारत में कर प्रणाल्य होगा और ऐसे करार में उपलब्ध दोहरे कराधान को समाप्त अथवा परिहार हेतु पद्धति के अनुसार राहत प्रदान की जाएगी।

S.O. 2123(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 90 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies that where an agreement entered into by the Central Government with the Government of any country outside India for granting relief of tax, or as the case may be, avoidance of double taxation, provides that any income of a resident of India "may be taxed" in the other country, such income shall be included in his total income chargeable to tax in India in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and relief shall be granted in accordance with the method for elimination or avoidance of double taxation provided in such agreement.

[सं. 91/2008/फा. सं. 500/82/2004-वि.क.प्र.-I]

[No. 91/2008/F. No. 500/82/2004-FTD-I]

नवनीत मनोहर, अवर सचिव

NAVNEET MANOHAR, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 2008

(आयकर)

क्र.आ. 2124(अ).—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 90क की उप-धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, अधिसूचित करती है कि जहाँ कर से राहत प्रदान करने के लिए अथवा जैसा भी मामला हो, दोहरे कराधान के परिहार हेतु भारत में किसी विनिर्दिष्ट संघ द्वारा भारत के बाहर किसी विनिर्दिष्ट राज्य क्षेत्र में किसी विनिर्दिष्ट संघ के साथ करार किया जाता है, और उसे केन्द्रीय सरकार द्वारा सरकारी राजपत्र में अधिसूचना जारी कर के स्वीकार किया जाता है, तो यह व्यवस्था की जाती है कि भारत के किसी निवासी की आय पर दूसरे देश में "कर लगाया जा सकता है", ऐसी आय को उस की कुल आय में शामिल किया जाएगा जिस पर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के उपबंधों के अनुसार भारत में कर प्रचल्य होगा और ऐसे करार में उपलब्ध कराए गए दोहरे कराधान के समाधान अथवा परिहार हेतु पद्धति के अनुसार राहत प्रदान की जाएगी।

[सं. 90/2008/फा. सं. 500/82/2004-वि.क.प्र.-I]

नवनीत मनोहर, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th August, 2008

(INCOME-TAX)

S.O. 2124(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 90A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies that where an agreement entered into by any specified association in India with any specified association in the specified territory outside India and adopted by the Central Government by way of notification in the Official Gazette, for granting relief of tax, or as the case may be, avoidance of double taxation, provides that any income of a resident of India "may be taxed" in the other country, such income shall be included in his total income chargeable to tax in India in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and relief shall be granted in accordance with the method for elimination or avoidance of double taxation provided in such agreement.

[No. 90/2008/F. No. 500/82/2004-FTD-I]

NAVNEET MANOHAR, Under Secy.